9.12.24

DATE
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं
विषय- हिंदी साहित्य

शिक्षिका- सुमन शर्मा
(पाठ-15 चचा छक्कन ने केले खरीदे)-1
(कहानी) लेखक- इम्तियाज़ अली
पुस्तक- नवतरंग-8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी साहित्य की पाठ्य पुस्तक नवतरंग-8 के पृष्ठ-120 पर दिए पाठ- 15 'चचा छक्कन ने केले खरीदे' नामक हास्य रचना का अध्ययन करेंगे।

सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ-120 खोलें और पढ़ने के लिए तैयार होजाएँ। सबसे पहले हम इस पाठ का सारांश जान लेते हैं। 'चचा छक्कन ने केले खरीदे' नामक पाठ एक हास्य रचना है जो इम्तियाज़ अली ने लिखी है। यह पाठ चचा छक्कन के व्यक्तित्व को दर्शाता है। यह एक मनोरंजक हास्य कथा है। चचा छक्कन एक चतुर, वाक् पटु और खाने के इच्छुक व्यक्ति हैं। चचा छक्कन अकेले घर पर बिंदो के साथ मिलकर बर्तन साफ़ कर रहे हैं तभी केले बेचने वाले की आवाज़ आई और उनके मन में केले खाने की इच्छा जाग गई। जब वे चची के घर से बाहर चले जाने पर वे जब अकेले रहते हों तब वे उन कार्यों को करना पसंद करते हैं, जिन पर बहुत समय से किसी का ध्यान न गया हो। पीतल के बर्तन साफ़ करने के लिए वे बिंदो से राख और इमली मँगवाते हैं। अपनी चतुराई दिखाकर केलेवाले से एक दर्जन केले चचा सस्ते में खरीद लेते हैं। उन केलों को एक-एक करके स्वयं ही खा जाते हैं। घर वालों के लिए वे एक केला भी नहीं छोड़ते हैं। यहाँ तक कि घर में उपस्थित बिंदो को भी एक केला खाने के लिए नहीं देते हैं। इस प्रकार उनके कपटी, लोभी स्वभाव

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

9.12.24

PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा

विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-15 चचा छक्कन ने केले खरीदे)

का इस हास्य कहानी से पता चलता है। चचा छक्कन एक ऐसा चरित्र है जिसे लगता है कि वह हर काम अच्छी तरह कर सकता है लेकिन हर बार कुछ गड़बड़ कर देता है।

बच्चो! इस पाठ में बताया गया है कि उसदिन चचा छक्कन और बिंदो ही घर पर थे। चची बिन्नो को साथ लेकर मुंशी साहब की बीमार पत्नी का हालचाल पूछने चली गई थी। लल्लू सुबह से क्रिकेट खेलने गया था। दद्दू छुट्टन के साथ तमाशा देखने गए थे। चची के घर पर न होने से घर के बाकी लोगों को बाहर जाने के लिए चचा से इज़ाज़त लेने में कठिनाई नहीं होती। चचा को एकांत पसंद है। एकांत में चचा उस काम को करते थे जिसे करने का उन्हें पहले समय नहीं मिल पाता था।

एकांत मिलते ही चचा ने घर के सभी पीतल के बर्तन निकालकर आँगन में रखलिए थे और बिंदो को इमली लाने के लिए बाज़ार भेज दिया। चचा पीतल के बर्तनों को चमकाने की तैयारी में लग गए। चचा बिंदो को पीतल के बर्तनों में से किसी एक बर्तन में ही इमली मिगोने के लिए कहते हैं। तभी केले वाले की आवाज़ सुनकर चचा कुछ सोचने लगे। जब उन्हें लगा कि केले वाला वापस जा रहा है तो उन्होंने बिंदो को केले के दाम पूछने के लिए भेजा। बिंदो ने बताया कि केलेवाला एक दर्जन केले के छह आने बता रहा है। चचा ने बिंदो को भेजकर फिर पुछवाया कि यदि वह तीन पैसे के दो देता है तो ठीक है वरना उसे कहना चला जाए लेकिन बिंदो के पूछने पर फलवाला आसानी से मान गया। फलवाले के आसानी से मानने पर चचा छक्कन की

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 9.12.24
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-15 'चचा छक्कन ने केले खरीदे')

नीयत में खोट आ गई। वे तीन आने में एक दर्जन केले खरीदने की सोचने लगे। चचा ने बिंदो को फिर केलेवाले के पास भेजा और केलेवाले से यह पूछने के लिए कहा कि क्या वह तीन आने में 1 दर्जन केले देने के लिए तैयार है! बिंदो अब फलवाले के पास नहीं जाना चाहता था इसलिए उसने चचा को स्वयं ही तीन आने में 1 दर्जन केले लेने को कहा।
बच्चो! पाठ में आए कुछ शब्दार्थ मैं बताती हूँ।
शब्दार्थ:-

मुकर जाना - अपनी बात से पलट जाना
दबे पाँव - चुपचाप
इयोढ़ी - दहलीज़ पट - परदा
तल्लीन - मग्न, डूबा हुआ डलिया - बाँस की टोकरी

बच्चो! जब बिंदो फिर से केलेवाले के पास जाने से कतरा रहा था तो चचा ने बिंदो को समझाया कि तुम केलेवाले से कहना कि मैंने गलती से गलती से गलत भाव कह दिया था, मेरे साहब ने तो तीन आने दर्जन कहा था। बिंदो को भेजकर चचा खिड़की से बाहर झाँकने लगे। चचा ने देखा कि फलवाला गुस्से से बिंदो को कुछ कह रहा था। फलवाला गुस्से में बोलते-बोलते ठेला लेकर जब आगे बढ़ने लगा तो बिंदो भी अंदर जाने लगा तभी फलवाले ने बिंदो को आवाज़ लगाकर पूछा कि कितने केले लेने हैं। बिंदो ने जब चचा से यह पूछा तो चचा ने हिसाब लगाया कि सबके लिए दर्जन केले बहुत होंगे। चचा ने बिंदो को भेजकर दो-तीन गुच्छे मँगवाए और उनमें से अच्छे-अच्छे दर्जन केले छाँट लिए। चचा ने उन केलों को बिंदो के हाथ हिफ़ाजत से रखवा दिया।
बच्चो! बिंदो केले रखकर बरतनों के पास आया। चचा ने बिंदो को बताया कि यह इमली एक लाजवाब चीज़ है।

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

DATE 9.12.24
PAGE No 4

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-15 'चचा छक्कन ने केले खरीदे')

इमली से न केवल पीतल के बर्तन बल्कि धातु की सभी चीजें चमक उठती हैं। चचा ने बिंदो से अपने हिस्से के दो केले मँगवाए और हाथ धोकर मज़े से केले खाने लगे।

बच्चो! अब मैं आपको कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताऊँगी।

शब्दार्थ :-

निहायत - बहुत अधिक
एहतियात - सावधानी
मिट्टी पलीद - दुर्दशा
हींग लगे न फिटकरी रंग चोखा - बिना मेहनत के फल मिलना।
नुस्खा - विधि, तरीका
कायापलट - बड़ा परिवर्तन

बच्चो! चचा कहने लगे कि थोड़ी देर में ये बरतन नए लगने लगेंगे। छुट्टन की माँ समझेगी कि नए बरतन खरीद लिए हैं। यह चमक इमली के कारण है। बात के बीच-बीच में चचा ने कहा कि अब दस केले रह गए हैं। हमारे बिना दूसरों का मन भी न करे। शायद वे हमारे बिना न खाएँ! छुट्टन की अम्मा तो हमारे बिना नहीं खाएँगी। बच्चे भी बिल्कुल लालची नहीं हैं। छह आदमी हैं और दस केले। क्यों न एक-एक केला सबको बाँट दिया जाए और बचे हुए चार केले अभी खा लिए जाएँ तो हिसाब बराबर हो जाएगा।

बच्चो! आज हम इस पाठ को यहीं समाप्त करते हैं। पाठ के शेष भाग को हम अगले सप्ताह पढ़ेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य दे रही हूँ। गृहकार्य आप अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य :- सब बच्चे इस पाठ को उच्च स्वर में दो-तीन बार पढ़ेंगे और मेरे द्वारा कराए गए शब्दार्थ को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ - 4)

Scanned with CamScanner